

Π Ρ Α Ξ Ε Ι Σ Τ Ω Ν Α Γ Ι Ω Ν Α Π Ο Σ Τ Ο Λ Ω Ν.

Κ Ε Φ Α Λ Α Ι Ο Ν Α. Ι.

Α Ι **Τ** ΟΝ μὲν πρῶτον λόγον ἐποίησάμιεν περὶ πάντων, ὡς Θεόφιλος ὦν * ἤρξατο ὁ Ἰησοῦς ποιεῖν τε καὶ διδάσκειν,
 2 ἄχει ἥς ἡμέρας * εἴτε λάμβανον τοῖς ἀποστόλοις * ἀφ' ἧν Πνεύματος ἁγίου, * ἕς ἐξελέξατο, * ἀνελήφθη.
 3 Οἷς καὶ παρέστησεν ἑαυτὸν ζῶντα μετὰ τὸ παθεῖν αὐτὸν, ἐν πολλοῖς τεκμηρίοις, δι' ἡμερῶν τεσσαράκοντα ὡς ἀνόμωτον αὐτοῖς, * καὶ λέγων τὰ περὶ τῆς βασιλείας τοῦ Θεοῦ.
 4 Καὶ * συναλιζόμενον * παρήγγειλεν αὐτοῖς ἀπὸ Ἱερουσαλῶν μὴ χωρίζεσθαι, ἀλλὰ περιμενεῖν * τὴν ἐπαγγελίαν τοῦ πατρὸς, ἣν ἠκούσατέ μου.
 5 Ὅτι Ἰωάννης μὲν ἐβάπτισεν ὕδατι, ὑμεῖς δὲ βαπτισθήσεσθε ἐν Πνεύματι ἁγίῳ ἢ μετὰ πολλὰς ταύτας ἡμέρας.
 6 Οἱ μὲν ἔν συνελεύσει ἐπηρώτων αὐτὸν, λέγοντες· Κύριε, εἰ ἐν τῷ χρόνῳ τούτῳ ἀπο-

καθίσταται * τὴν βασιλείαν τῷ Ἰσραὴλ;
 7 εἶπε δὲ πρὸς αὐτούς· Οὐχ ὑμῶν ἐστὶ γνώμαυ χρόνος ἢ καιρὸς, ἕς ὃ πατὴρ ἐθετο ἐν τῇ ἰδίᾳ ἐξουσίᾳ.
 8 ἀλλὰ λήψομαι δύναμιν ἐπιελθόντος τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἐφ' ὑμᾶς, καὶ ἐσοθέ μοι μαρτυρῆσαι ἐν τε * Ἱερουσαλὴμ καὶ ἐν * πάσῃ τῇ Ἰουδαίᾳ καὶ Σαμαρείᾳ, καὶ ἕως ἰσχύατε τὴν γῆν.
 9 Καὶ ταῦτα εἰπὼν, βλέπόντων αὐτῶν ἐπέστη, καὶ νεφέλη ὑπέλαβεν αὐτὸν ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐτῶν.
 10 Καὶ ὡς ἀτειχίζοντες ἦσαν εἰς τὸ ἕρανον, πορθομένων αὐτῶν, καὶ ἰδὲ * ἄνδρες δύο παρεστήκεισαν αὐτοῖς ἐν ἐδοῦπι λουκῆ.
 11 οἱ καὶ εἶπον· Ἄνδρες Γαλιλαῖοι, τί ἐστήκατε ἐμβλέποντες εἰς τὸ ἕρανον; εἴτε ὁ Ἰησοῦς ὁ ἀναληφθεὶς ἀφ' ὑμῶν εἰς τὸ ἕρανον, * ἕτως ἐλθύσεται ἄν τινος ἐδεάσατο αὐτὸν πορθομένων εἰς τὸ ἕρανον.
 12 Τότε

CAP. I. Verf. 1. Luc. 1. 3. * Sic LXX Gen. 2. 3. Vide Mat. 12. 1. Luc. 11. 29. Infr. 2. 4. 4 Esdr. 4. 18. & 6. 57. & 9. 28. Verf. 2. * Mat. 28. 19, 20. Mar. 16. 15. Infr. 10. 42. * Jo. 10. 21, 22. * Infr. 10. 41. * Mar. 16. 19. Luc. 24. 51. Infr. v. 9. Verf. 3. Mat. 28. 9. Marc. 16. 14. Luc. 24. 13, 31, 36. Jo. 10. 19, 26. & 21. 1, 14. Infr. 13. 31. * Luc. 24. 25, 26, 27, 44, &c. Jo. 10. 17. & 21. 15, &c. Verf. 4. * Jo. 20. 19, 26. & 21. 2. Luc. 24. 33. * Luc. 24. 49. * Jo. 14. 16, 26. & 15. 26. & 16. 7. Infr. 2. 33. Verf. 5. Mat. 3. 11. Mar. 1. 8. Luc. 3. 16. Jo. 1. 26, 31, 33. & 7. 38, 39. Infr. 2. 4, 33. & 11. 15, 16. & 19. 4. Verf. 6. Vide Mat. 18. 1. & 20. 21. Luc. (17. 20. &) 22. 30. * Dan. 7. 27. Verf. 7. Mat. 24. 36. Mar. 13. 32. Luc. 17. 20. Verf. 8. Infr. 2. 2, &c. Luc. 24. 48, 49. Marc. 16. 20. * Act. 2. 5, 14, 36. & 3. 12, &c. & 4. 10, &c. & 5. 28, &c. * Infr. 8. 1, 4, 5, 14, 25. & 9. 31. & 10. 37, 39. & 11. 19. & 13. 5. * Infr. 2. 5, 9, 10, 11. Verf. 9. Marc. 16. 19. Luc. 24. 50, 51. Jo. 6. 62. Verf. 10. * Luc. 24. 4. Jo. 20. 12. Verf. 11. * 1 Theff. 4. 16.

C A P. I.

Verf. 2. ἄχει ἥς ἡμέρας] In die quo Augustin. Lib. 1. contra Felic. Manich. † Ἀποστόλοις ἀφ' ἧν πν. ἁγ. ἕς ἐξελέξατο] Ἀποστόλοις, ἀφ' ἧν πνεύματος ἁγίου ἕς ἐξελέξατο. Sic locum hunc distinguunt Steph. i. i. Syr. Arab. Æthiop. Augustin. † ἀνελήφθη] καὶ ἀνελήφθη Armen. Post ἀνελήφθη addunt, ἐκέλευσε κηρύσσειν τὸ εὐαγγέλιον Cant. Augustin. (sed ἀνελήφθη ponit Cant. ante ἐντελέθει.)
 3. ἑαυτὸν] Omittit Lin. † τεκμηρίοις] Dierum addit Augustin. † ὁπτανόμενον] Φανόμενον Pet. 3.
 4. συναλιζόμενον] συναλισιόμενον Cant. Sed à Correctore aliquo συναλισιόμενον μετ' αὐτῶν. (Simul convivens Lat.) συναλιζόμενον Mont. N. 1. 2. (sed in N. 1. litera v eraditur) Lin. Genev. Cov. 2. L. † Seidel. Euthal. Vide Prol. 946. † Et sic legi vult Stephan. Conversescens Vulg. Hieron. (quomodo Græcum συναλιζόμενον interpretantur Chrysostr. Oecumen. alii.) Conversatus Augustin. Cum conversaretur cum illis Versio Latina Laud. 3. † Παρήγγειλεν] Παρήγγειλεν Steph. i. Laud. 3. † ἠκούσατέ μου] ἠκούσατε αὐτῶν Corp. ἠκούσατε, φησὶν, ἀφ' ἧς ἐπαγγελίας μου Cant. Gr. Lat. (sed verba ista φησὶν ἀφ' ἧς ἐπαγγελίας μου) punctis supernè notantur eadem, ut videtur, quæ Codicem scripsit, manu, ac si delenda forent] Vel. (nisi quod pro φησὶν habeat λέγει.) Vulg. Arab. Augustin. Hilar. Hieron. M̄ post ἠκούσατε deest in Eriphan. Basil.
 5. ἰωάν. μὲν] Deest μὲν in Syr. Arab. Æthiop. Basil. † ὕδατι] Ἐν ὕδατι Steph. v. Edit. 2 priores Rob. Steph. ὕδατι εἰς μεταίτια Basil. Interpretamentum ex Mat. 3. 11. † βαπτισθήσεσθε] Incipietis baptizari Codd. Lat. aliq. teste Augustino: qui & ipse sic citat Lib. 1. c. 4. contra Felic. Manich. Sed alibi (Epist. 108.) lectio-

nem hanc ut mendosam rejicit ex auctoritate Græcorum Codd. βαπτισθήσεσθε Mont. † ἁγίῳ] ὁ καὶ μέγιστος λαμβάνει addunt Cant. Augustin. † Hilar. Vide Prol. 770. † ἡμέρας] ἕως τῆς πεντηκοστῆς addunt Cant. Augustin.
 6. οὐ] Deest in Mont. † ἐπηρώτων] Ἠρώτων Alex. † ἀποκαταστάσεις] ἀποκαταστάσεις Cant. ἀποκαταστάσεις Vel. Presentibus Augustin. quasi lectum esset παρεστάσεις. † τῷ Ἰσραὴλ] τῷ Ἰσραὴλ Mont.
 7. εἶπε δὲ πρὸς αὐτούς] καὶ εἶπε πρὸς αὐτούς Cant. ο' δὲ παρεστάσεις εἶπεν αὐτοῖς Laud. 3. † οὐχ ὑμῶν ἐστὶ γνώμαυ] Nemo potest agnoscere Augustin.
 8. ἐσοθέ μοι] ἐσοθέ μου Alex. Cant. Æthiop. † ἐς πάση] Deest ἐν in Alex. Cant. Pet. 3. Genev. Orig. † ἕως ἰσχύατε τὴν γῆν] Usque ad totam terram Augustin. ex interpretamento. Μίχελ πάσης τῆς γῆς, inquit Oecumen.
 9. Versum hunc ita legunt Cant. Augustin. ταῦτα εἰπόντος αὐτῶν, νεφέλη ὑπέλαβεν (mendose pro ὑπέλαβεν) αὐτὸν, καὶ ἀπέστη ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐτῶν. † εἰπὼν, βλέπόντων αὐτῶν] εἰπόντων αὐτῶν (omisso βλέπόντων) L.
 10. ἐδοῦπι λουκῆ] ἐδοῦσι λουκαῖς Alex. Barb. 1. Cov. 4. Genev. Vel.
 11. οἱ καὶ] Deest οἱ in Cant. Erasmi Edit. 1^{ma}. Ald. † εἶπον] εἶπαν Alex. Cant. N. 1. † ἐμβλέποντες] βλέποντες Laud. 3. Cov. 2. N. 1. 2. Genev. Chrysostr. Theophylact. ἀτειχίζοντες Eriphan. Hic incipit Cant. 2. † εἰς τὸ ἕρανον] Deest in Cant. Lin. Mont. Sequens εἰς τὸ ἕρανον deest in Lin. (sed habet marg. aliâ manu.) † οὕτως] οὕτως Wech. al. N. 1. tres vett. Codd. teste Beza (qui Lectionem hanc laudat, ut valde emphaticam) Edit. Hagenoæ an. 1521. Theophylact. † ἐλθύσεται] ἐλθούσεται παλιν Lin. N. 1. † αὐτῶν πορ.] Deest αὐτῶν in N. 1.
 12. ἔτι